आज की मुरली का सहज सार ---------- Date: 19-06-2014

बाबा ने कहा, पढाई में अटेन्शन देना हैं, अबसेन्ट नहीं होना हैं. बाबा हमें रोज-रोज नई-नई प्वाइंटस सुनाते हैं, जिससे की हमारे बुद्धि के कपाट खुल जायें.

बहुत ब्राह्मण ऐसे हैं जो समझते हैं की बाबा कहा नया कुछ सुनाते हैं. हमको तो सब पता हैं. लेकिन अगर हम अटेन्शन से बाबा की मुरली सुनेंगे तो हर रोज स्वयं के पुरुषार्थ के लिए कोई ने कोई नयी प्वाइंटस जरूर मिलेगी. बाबा भी टंच करायेगा की बच्चे को कहा और पुरुषार्थ करना हैं.

अगर ये निश्चय हैं कि स्वयं भगवान इस धरती पर आकर हमें ज्ञान दे रहे हैं. हम भाग्यशाली आत्माओं को पतित से पावन बना रहे हैं, जिसे की आने वाली सतयुगी दुनिया के हम मालिक बन सके. भगवान हर रोज परमधाम से इस धरती पर आते हैं, हम आत्माओं को ज्ञान और योग सिखाने. हम आत्माओं को गुणों और शक्तिओं से भरपूर करने तो कभी भी हम बाबा कि मुरली मिस नहीं करेंगे.

हमारी इस ईश्वरीय पढाई से ही हमारा 21 जन्मो का प्रालब्ध बनना हैं, तो हमारा अटेन्शन पढाई पर कितना होना चाहिए. बाबा ने आज कहा, जहाँ तक बाप हैं, पढाई चलनी हैं. बाप चला गया तो पढाई भी बंध हो जायेंगी. अगर हम आज-कल की अव्यक्त मुरलीओं पर ध्यान दे तो सहज ही समझ जायेंगे की बाबा अभी हमारे पास ज्यादा टाइम नहीं हैं.

बाबा की इस सीझन की लास्ट वाणी में भी बाबा ने बताया की बाबा ने देखा की जो बच्चे रेग्युलर आने वाले है उन्हों को तीव्र पुरुषार्थ का लक्ष्य है लेकिन बातें आने से ढीले पड़ जाते हैं. बातें तो आयेगी लेकिन बच्चों को बहादुर बन उसे पार करना ही हैं. ये स्वयं भगवान के महावाक्य हैं तो इससे समझ ना चाहिए की हर रोज सेन्टर पर जाकर मुरली सुनने का महत्व कितना हैं.

आज से हम प्रतिज्ञा करें कि कुछ भी हो जाये, चाहे अपनी मन कि स्थिति द्वारा, चाहे कोई अन्य आत्माओं द्वारा, चाहे प्रकृति द्वारा, चाहे वायु-मण्डल द्वारा कुछ भी हो जाये लेकिन मुझे बाबा की मुरली मिस नहीं करनी हैं.

ॐ शांति.

Please provide your feedback to Atma Bhai on email –
a.brahmin.soul@gmail.com